एक निजी कंपनी में कार्यरत कर्मी 'निवासी-स्वयंसेवक' के लिए मैनुअल

1. उद्देश्य

1.1 **कार्यक्रम का उद्येश्य:-** निवासियों के सम्मिलित प्रयास को आसान और प्रभावी बनाना ।

1.2 निवासियों का उद्देश्य:- निवासी सुनिश्चित करें - सबसे अच्छी सार्वजनिक सेवा सुविधा - शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा... सार्वजनिक आधारभूत संरचना जैसे सड़क, रेल, खेल, कूड़ा लैंडफिल इत्यादि... सभी बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण... सभी लोगों को कौशल शिक्षा, सबों के लिए रोजगार...

1.3 मुख्य सन्देश - **"मिलें कुछ करें"।**

2. स्वंयसेवक के प्रकार

1A.समय प्रतिबद्धता के अनुसार स्वयंसेवक का प्रकार

- 1A.1 हर महीने 4 घंटे
- 1A.2 अधिक समय देने की इच्छा

1B. दिए जाने वाले मानदेय के अनुसार स्वयंसेवक का प्रकार

- 1B.1 स्वयंसेवक जिन्हें मानदेय दिया जाना है
- 1B.2 स्वयंसेवक (जिन्हें मानदेय नहीं दिया जाना है)
- 1B.3 संस्था के कर्मचारी स्वयंसेवक

1C. संगठन कर्मचारी स्वयंसेवक (जैसे सुनई कंसल्टेंसी में काम करते हैं)

- 1C.1 फुल टाइम
- 1C.2 पार्ट टाइम या अंशकालिक

नोट:- विद्यार्थी और स्वयंसेवक में अंतर है। छात्र अपनी दक्षता के अनुसार प्रोजेक्ट करते हैं और वास्तविक result की उम्मीद नहीं की जाती है। स्वयंसेवक को आउटपुट देने की जरूरत है।

विषय सूची

A. निवासी वॉलिंटियर कार्यक्रम का उद्देश्य

B. निजी संस्था के सन्दर्भ में

C. निवासी वॉलिंटियर का प्रशिक्षण निम्न बिंदु

D. स्वयंसेवक को दो प्रकार का सर्टिफिकेट दिया जाएगा

E. वॉलिंटियर को लाभ

A. निवासी वॉलिंटियर कार्यक्रम का उद्देश्य

1. सभी निवासी लोग सम्मिलित प्रयास करें। वे मिले-जुले कुछ करें।
2. सार्वजानिक सेवा एवं सार्वजानिक सुविधाएं बेहतर हो तथा और बेहतर करने में निवासियों का योगदान हो।

B. निजी संस्था के सन्दर्भ में

कर्मी निवासी वॉलिंटियर के रूप में कार्य करेंगे। उनके पास समय की बहुत कमी रहेगी। इसीलिए उनका महीना में 4 घंटा समय प्राप्त करना ही उचित होगा। अतः उनके लिए एक प्रोजेक्ट कार्य करना चाहिए। संभावना है कि इस प्रोजेक्ट कार्य करने के बाद उनका स्वतः प्रशिक्षण हो जाएगा कि वह अन्य को स्वयंसेवक के रूप में आने के लिए प्रेरित कर सकेंगे ।

निजी संस्था में कार्य करने वाले सभी लोगों का 2 पद हो सकता है।

एक पद मूल कार्य से संबंधित, जिसके लिए उनको सैलरी दी जाती है और दूसरा कार्य उनका निवासी के वॉलिंटियर्स ग्रुप में होगा। उनको बोला जाएगा निवासी स्वयंसेवक। यह निवेदन होगा कि निजी संस्था में सभी लोग स्वयंसेवक की भूमिका में भी होंगे

C. निवासी वॉलिंटियर का प्रशिक्षण निम्न बिंदु

1. एक प्रोजेक्ट कार्य करनी है ।
2. निवासी कार्यक्रम के बारे में जानकारी देनी है।
3. निवासी एप्लीकेशन के बारे में जानकारी होनी है ।
4. अपने समुदाय में उनको कुछ करना है।
5. महीने में आपको 4 घंटे यदि समुदाय के लिए समय देना है तो आप क्या करेंगे इस पर विचार विमर्श।

1.**एक प्रोजेक्ट कार्य करनी है** जो निम्न है जैसे:-'मेरा पंचायत मेरा विचार' या 'सुकून भरा सार्वजानिक स्थल' इत्यादि

2. **निवासी कार्यक्रम के बारे में जानकारी देनी है**।: निवासियों की बैठक के लिए महीने की एक दिन,समय और स्थान नियमित किया जा सकता है। (जैसे महीने का प्रथम सोमवार,चौथा शनिवार इत्यादि) इस बैठक में आप और अन्य निवासी तय नियमित कार्यक्रम के अनुसार बिना किसी सूचना के बैठक में शामिल हो सकते हैं, ऐसी बैठको के लिए अध्यक्षता जन प्रतिनिधि या उपस्थित निवासियों में से ही कोई एक कर सकते हैं।

3. निवासी एप्लीकेशन के बारे में जानकारी: निवासी ऐप ऐसी व्यवस्था का एक हिस्सा है, जिसमें निवासी के सार्वजनिक सेवा-सुविधा एवं अन्य मुददों पर निवासियों के आपसी प्रयास आसान हो जाता है। जैसे:- आप अपने निवासी में यदि कुछ नई सुविधा चाहते हैं - नई सुविधा के लिए सूचना इकठ्ठा कर निवासी का साधारण रिपोर्ट बनाते हैं, इस रिपोर्ट पर निवासी मिटिंग में चर्चा करते हैं, आपस में तय कर मिलजुलकर कुछ प्रयास करते हैं।

4. **अपने समुदाय में उनको कुछ करना है-** किसी समुदाय में कार्य करने से पहले संपर्क करना ताकि जहाँ पर आप कार्य करेंगे वहां उनकी मदद ली जा सके ।

5. **महीने में आपको 4 घंटे यदि समुदाय के लिए समय देना है तो आप क्या करेंगे इस पर विचार विमर्श-**

- सामुदायिक स्तर पर लोगो से मिलजुलकर बात करेंगे।
- वहां का जो भी मुद्दा है उसके उपर कार्य करने के लिए।

D. स्वयंसेवक को दो प्रकार का सर्टिफिकेट दिया जाएगा

- अपने क्षेत्र में कार्य करने के लिए
- अपने पंचायत में काम करने या अपना प्रभाव दिखाने के लिए समुदाय स्तर पर (इसका सत्यापन उस क्षेत्र के 5 निवासी और एक जनप्रतिनिधि करेंगे तभी उनको यह सर्टिफिकेट दिया जा सकता है।)

E. वॉलिंटियर को लाभ

1. वे कार्य के प्रभाव के अनुसार फंडिंग लायेंगे। फंडरेजिंग होने पर उन्हें अपने क्षेत्र में विकास कार्य के लिए और मौका मिलेगा।

2. निवासी वॉलिंटियर के रूप में काम करेंगे तो उन्हें सर्टिफिकेट मिलेगा।

3. आगे की नौकरी के लिए उनको ज्यादा मौका मिल सकेगा और अपने क्षेत्र में उनका मान सम्मान बढ़ेगा ।

4. निजी संस्था से जुड़े हुए कुछ निवासी वॉलिंटियर आज मुखिया और जनप्रतिनिधि के रूप में आगे बढ़े है।

5. उनके खुद के बौद्धिक विकास में यह मददगार होगा।

6. उनको समुदाय में कई लोगों के बीच में काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

7. आपके लिए लोकप्रिय एवं विकास प्रभावी जन प्रतिनिधि बनने का भी आधार बन सकता है।